लेनी आवश्यक समझते हैं उन को ले लेते हैं तो क्या ऐसे ही लोगों को ले लेते हैं जोकि इस तरीके से मेंबर पार्लियामेंट को भी तीन घंटे तक गिरफ्तार रखें और हजारों व्यक्तियों को तंग करने की तो बात ही क्या ?

श्री बृजराज सिंह: इसका उत्तर मुश्किल है, इसकी इजाजत देना मुश्किल है...

अध्यक्ष महोदय : ठीक है इसकी इजाजत देना मुश्किल है।

श्री रामेश्वरानन्द : आप तो हमारे अधिकारों के संरक्षक हैं और अगर आप भी कहते हैं कि इसका उत्तर आना मुश्किल है तो फिर आप ही बतलाइये कि इसके लिये और किस के पास हम जायें।

अध्यक्ष महोदय : स्वामी जी, मैं ने कहा कि आप का जो केस है उस को अलहदा लिया जा रहा है। अब इस सप्लीमेंटरी में जो आप से सलूक वहां हुआ और आपने पूछा कि क्या वैसे आदमियों को लिया गया है तो यह बिलकुल अलहदा बात है। उस को हम अलहदा तय करेंगे। उस पर हम गौर कर रहे हैं। मुझे होम मिनिस्टर साहब ने भी कहा है कि वह सब वाकयात इकट्ठे कर रहे हैं। जब मौका हो तभी जवाब दिया जा सकता है लेकिन जब यहां इस समय उसका मौका न हो तो वह क्या जवाब दे सकते हैं

श्री रामसेवक यादव : मैं व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठता है।

श्री रामसेवक यादव : मेरी व्यवस्था सुन तो लें। प्रश्न यह है कि सहयोग किस आधार पर लिया जाता है? क्या परख है सहयोग लेने की और सरकार किस से लेगी या नहीं लेगी।

अध्यक्ष महोदय : वह सवाल दूसरा है।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं ने यह भी कहा था कि कैसे आदमियों को आप ले लेते हैं इसकी कोई पात्र परीक्षा भी करते हैं?

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये।

Shri A. P. Sharma: May I know what concrete changes the Government is going to introduce in the whole country in regard to the dilatory procedures and rules of Government, apart from reducing the number of employees wherever found surplus after examination?

Shri Hathi: It is only to go into the whole question of reforming the administrative machinery that the Commission is being appointed.

Arrests made during Pak. Aggression

+

*4. **Shri Yashpal Singh:**
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri S. C. Samanta:
Shri Hem Barua:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Mohammed Koya:
Shri P. L. Barupal:
Shri Warior:
Shri Daji:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Kishen Pattnayak:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the number of persons rounded up for anti-national activities, state-wise, during the recent conflict with Pakistan; and

(b) the action taken to have them tried in a court of law?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N.

Mishra): (a) and (b). Information is being collected from the State Governments and Administrations of Union Territories and will be placed on the Table of the House.

श्री यशपाल सिंह: क्या सरकार के पास इस तरीके की कोई इत्तिला है कि इस में पाकिस्तानी नागरिक कितने हैं जोकि गिरफ्तार हुये हैं ?

श्री ल० ना० मिश्र : पाकिस्तानी नागरिक जिनके कि बारे में मुझे सूचना है वह करीब कोई 54 हजार—इन-फिल्ट्रेटर्स छोड़-कर—हमारे मुल्क में थे जिनमें कि करीब 3000 को हम ने गिरफ्तार किया जबकि पाकिस्तान में हमारे नागरिक लगभग 30,000 थे और उन्होंने 30,000 में से 30,000 को गिरफ्तार कर लिया ।

श्री यशपाल सिंह: क्या सरकार के पास इस तारीके के कोई फैक्टस हैं कि कितने लोग ऐसे थे जिनको कि पनाह दी जा रही थी जिनको कि प्रोटेक्शन दिया जा रहा था और दूसरे ऐसे लोग जिन्होंने कि उन्हें प्रोटेक्शन दिया है उन के खिलाफ क्या एक्शन लिया गया ?

श्री ल० ना० मिश्र : ऐसी सूचना तो नहीं है लेकिन जिन्होंने भी प्रोटेक्शन देने की कोशिश की है उन के खिलाफ कार्यवाही की गई है।

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : क्या सरकार के पास कोई ऐसी सूचना है कि भारतीय नागरिक कितने हैं जोकि गिरफ्तार किये गये इस हैं इस देश के अंदर ?

अध्यक्ष महोदय : वह तो कह दिया ।

श्री ल० ना० मिश्र : यह सही है कि हम ने खाली पाकिस्तानी नागरिकों को ही गिरफ्तार नहीं किया है, भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। हर एक कौम के लोगों को किया है। जो भी देश की रक्षा में किसी तरीके से अड़चन पैदा करना चाहते थे उन को गिरफ्तार किया गया है।

Shri Daji: On a point of order.

Mr. Speaker: What is the number?

श्री ल० ना० मिश्र : मैं नम्बर देता हूं। लगभग 1900 भारतीय व्यक्ति ऐसे हैं जिनको कि हम ने पकड़ा है।

श्री म० ला० द्विवेदी: इस प्रश्न की सूचना लगभग एक महीने पूर्व दी गई थी लेकिन मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में बतलाया कि यह आंकड़े अभी राज्यों से इकट्ठा किये जा रहे है। तो मैं जानना चाहता हूं कि इस विलम्ब का क्या कारण है और केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों में जो गिरफ्तारियां हुई हैं उन की तो संख्या कम से कम बतलायें ।

श्री ल० ना० मिश्र : जी हां केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों की संख्या मैं दे सकता हूं। वैस्ट बंगाल में उन्होंने बहुत को गिरफ्तार किया लेकिन काफी लोगों को छोड़ भी दिया। वैसे केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों का जहां तक सवाल है दिल्ली में करीब 70 गिरफ्तार हुये, हिमाचल प्रदेश में 2 हुए, मनिपुर कोई भी नहीं, त्रिपुरा में कोई नहीं, गोवा में कोई नहीं, पांडेचेरी में कोई नहीं, अंडमान निकोबार में एक हुआ और लकादीव में कोई नहीं हुआ।

Shri S. C. Samanta: May I know whether the number of those who were rounded up but subsequently released would also be placed on the Table of the House?

Shri L. N. Mishra: The number 1900 includes all those people who were arrested for indulging in pro-Pakistan activities.

Shri Ranga: The question has not been properly answered. The question is whether any of them has been released.

Shri L. N. Mishra: I gave the number earlier. Since I answered it in Hindi, perhaps my hon. friend Shri Ranga could not follow it. I said that 50 per cent of the people in West Bengal had already been released, and in other States also, the people who were arrested were being released.

Shri Hem Barua: May I know whether Government are aware of the fact that during this emergency created by Pakistani aggression, the Defence of India Act was very liberally used, and even nationalists whose loyalty to this country cannot be questioned were clapped down under the DIR either on personal grudges or to suit political advantages of the ruling party, and if so, ...

Mr. Speaker: The hon. Member may put his question.

Shri Hem Barua: In view of this injustice down to the innocent people and nationalist elements in this country, may I know whether Government are going to review their cases, since an assurance was given by Shri Tyagi at the Delhi Muslim Convention in reply to a suggestion made by me?

The Minister of Home Affairs (Shri Nanda): Some complaints have been received. There may have been a mistake or a slip here or there, and I have requested the State Government to look into such cases, and if there has been any such mistake, to rectify it.

Shri Hem Barua: The hon. Minister has just told us that he has instructed the State Governments to look into these cases. May I know whether the State Governments have done this or they are prepared to do this or not, because most of the State Governments are intransigent in this matter?

Shri Nanda: They are doing it.

श्री स० मो० बनर्जी : क्या मंत्री जी को मालूम है कि कुछ दिन पहले कानपुर शहर में बहुत बड़े बिजनेसमैन अग्रवाल जो पाकिस्तान को रेगुलर्ली कारगेटिड शीट्स और दूसरी चीजें सप्लाई करते थे वे दोनों भाई गिरफ्तार किये गए लेकिन उत्तर प्रदेश की सरकार ने एसेम्बली में उन का नाम भी नहीं बताया और कोशिश यह हो रही है कि जिन लोगों ने राष्ट्र के खिलाफ इतनी बड़ी कार्यवाही की है उन के केस को दबा दिया जाये । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह मामला केन्द्रीय गृह मंत्रालय के पास आया है और यदि इस मामले की जांच हो रही है तो क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि उन व्यक्तियों के खिलाफ क्या चार्जिज थे ?

श्री ल० ना० मिश्र : जहां तक हम को सूचना मिलने का सवाल है हम को इस बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। लेकिन जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा है हम ने भी इस बात को सुना है और हम इस मामले को देखेंगे । अगर ऐसी बात हुई है तो इस बारे में उचित कार्यवाही की जायेगी ।

Shri S. M. Banerjee: On a point of order. This whole question has been agitating the minds of not only the people of UP but of the entire country, and a full report has been sent to the Centre. Even the Chief Minister of UP, for whom I have the greatest regard, did not disclose the name in the UP Assembly in this regard, because this man has provided transistor sets to almost every official including Ministers and that is why they are doing these things. I want to know whether this matter has been reported to the Centre, and whether the Centre is also feeling shaky in taking action . . . . .

Mr. Speaker: What is the point of order in this?

Shri S. M. Banerjee: My point of order is this. I wanted to know whether this information was available with the Centre, and the hon. Minister replied 'No'. But I know that this has been referred to the Home Minister . . . . .

Mr. Speaker: If he has said 'No', then what is the point of order involved?

Shri S. M. Banerjee: My point of order is this. When the matter has been referred to the Centre by the State Government, there can be no question of *'suna hai'* . . . .

Shri Bade: The moral responsibility of the Centre is there.

Mr. Speaker: Order, order. There is no point of order in this. Now, Shri Indrajit Gupta.

Shri S. M. Banerjee: Should I take it that both the Governments are defending these corrupt people?

An hon. Member: They are.

Mr. Speaker: Order, order. I have called Shri Indrajit Gupta.

Shri Indrajit Gupta: The newspapers had reported last month the arrest in Calcutta under the DIR of two millionaire businessmen, Mr. Gajadhar Sarogi and his son Mr Pannalal Sarogi . . . . .

Mr. Speaker: Should we discuss individual cases here?

Shri Indrajit Gupta: I want to know whether it is a fact that the evidence on the basis of which they were arrested is that they have been doing business with Ispahni and other businessmen in Pakistan, and the money gained out of this joint business was being used to finance anti-Indian activities in this country, and if so, what action is proposed to be taken against those people.

Shri L. N. Mishra: I take the information from the hon. Members; to my knowledge, there is no such thing; if there is anything, we shall look into it.

Shri Nanda: May I add that as soon as we learnt about this Kanpur matter, I myself initiated action? Whether it lay in my jurisdiction or not was not the material point for me. I wanted to know what was happening. I have been making inquiries, and I am also in touch with the developments. Therefore the hon. Member need not cast any reflections or utilise the opportunity for a question as an occasion for levelling all kinds of accusations against us; that is not fair.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मंत्री जी ने अभी अपने उत्तर में बताया है कि करीब 1900 व्यक्ति पकड़े गए हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि उन व्यक्तियों में से सरकारी कर्मचारी कितने थे, राजनीतिक दलों से कितने सम्बन्धित थे और विधायक और संसद सदस्य कितने थे ।

श्री ल० ना० मिश्र : जहां तक विधायकों और संसद-सदस्यों का संबंध है शायद बंगाल के एक संसद सदस्य पकड़े गए थे । बाकी लोगों का नाम मैं इस वक्त नहीं दे सकता । जहां तक सरकारी कर्मचारियों का सम्बन्ध है मेरे पास इस समय सूचना नहीं है लेकिन शायद कोई भी सरकारी कर्मचारी नहीं है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : विधायक कितने थे ?

Shrimati Renu Chakravartty: Has it been brought to the notice of Government that in view of this emergency, large-scale arrests were made of people who subsequently had to be released? Will the hon. Minister do the inquiry which he has promised directly or will it be under the state governments which have arrested these people really for political reasons? A number of Muslim members of our Party were arrested immediately when the conflict began. Why?

Shri Nanda: What happened at the moment was in view of the emergency just ahead of us. We are in the midst of an emergency. Local officers have taken action on the basis of whatever information was available at the moment. Then the Government can be trusted to do the rest of it, with the Chief Minister and others being there. Therefore, I do not think that the Central Government have to go into each individual case.

Shri Koya: Were the detenus given an opportunity to disprove their involvement in these cases motivated by misinformation, personal rivalry or political animosity?

Shri L. N. Mishra: The normal course of law will follow in each case.

श्री प० ला० बारूपाल : श्रीमन् मैं यह जानना चाहता हूं कि जो लोग पाकिस्तान के आक्रमण से पहले भारत और पाकिस्तान के बीच में तस्कर व्यापार किया करते थे क्या सरकार ने उन के संबंध में कोई जांच कराई है । उन में से कितने आदमी गिरफ्तार किये गए हैं ? उन में से जो बाहर रह गए हैं क्या वे राष्ट्र के प्रति वफादार सिद्ध हो सकते हैं ; यदि नहीं तो क्या सरकार ऐसे लोगों को भारत सुरक्षा कानून के अन्तर्गतनजरबन्ध करने पर विचार कर रही है ?

श्री ल० ना० मिश्र : मैंने पहले भी कहा है और आज भी कहता हूं कि पहले भी बहुत से लोग तस्कर व्यापार करने के आरोप में पकड़े गए थे और इस बार भी पकड़े गए हैं । अगर उन में से कुछ छूट गए हैं तो उन पर निगरानी रखी जायेगी और अगर जरूरत होगी तो वे फिर पकड़े जायेंगे ।

Shri Daji: Faced with so many incidents brought before the House today and also reported in the papers, have any such saboteurs or agents or those who are working with Pakistanis been brought to trial and punished severely as an example to others not to be traitors to the country?

Shri L. N. Mishra: It is difficult for me to give details. I would like to have information on this point.

Shri Daji: On a point of order. I seek your protection. The question is very simple. How can he seek information or clarification now when specific notice has been given? The question is a simple one, whether even one case of prosecution has been launched against saboteurs?

Mr. Speaker: It was in the original question itself. The answer should have been given.

Shri L. N. Mishra: About trial, it is not there in the question. If you read the question, you will see that it relates to the number of persons rounded up.

Mr. Speaker: Part (b) refers to action taken to have them tried in a court of law.

Shri L. N. Mishra: I am sorry. So far nobody has been brought to trial in a court of law. They are under detention. Each case is being examined on merits.

श्री ओंकार लाल बेरवा : राजस्थान में मंत्रियों में दो ग्रुप बने हुए हैं । अगर एक ग्रुप किसी को पकड़ता है तो दूसरा ग्रुप उस को छुड़वा देता है और अगर दूसरा ग्रुप किसी को पकड़ता है तो पहला ग्रुप उस को छुड़वा देता है । क्या सरकार के के पास ऐसी रिपोर्ट आई है कि बाड़मेर में जिन लोगों ने लड़ाई में अत्याचार किया है, उन को डी० आई० आर० के अन्तर्गत पकड़ा गया और फिर छोड़ दिया गया ? मैं स्वयं देख कर आया हूं ।

श्री ल० ना० मिश्र : अगर माननीय सदस्य स्वयं देख कर आए हैं तो ठीक ही होगा लेकिन मुझे इस की सूचना नहीं है और मैं इस को नहीं मानता ।

Shri Vasudevan Nair: Has the hon. Minister given any personal consi-

deration or has he inquired into the charges against a member of this House belonging to the Opposition, Shri Badrudduja, who, it was reported, was arrested at the time of the Pakistani aggression? There are reports that there are people having personal grudge against him in West Bengal and all that. Have Government reviewed his case? He is a Member of this House. He was supporting Government, as far as we know, as this particular question of Pakistani aggression.

Shri L. N. Mishra: We have not done any review of his case. It is for the State Government, and in their judgment they have detained him the moment hostilities started.

Mr. Speaker: Shri Kishen Pattnayak.

Shri Hem Barua: On a point of order. Our only objection is that the State Governments are functioning in a partisan manner to suit political purposes, and therefore we want the Central Government to function and see that justice is done to certain Members who have been arrested for nothing under the Defence of India Rules. Even a Member of this Parliament has been arrested and there has been no enquiry instituted by the Central Government. I think you will exert your authority on this Government to see that the case of the Member of Parliament who has been arrested is reviewed or that he is tried in a court of law.

Shri Sinhasan Singh: On a point of order. Shri Hem Barua is speaking without being called. The hon. Member did not catch your eye, and he went on speaking.

Shri Surendranath Dwivedy: The very fact that the Speaker permitted him shows that there is no point of order.

Shri Sinhasan Singh: You did not call him, but he went on speaking though Shri Kishen Pattnayak was called.

Shri Hem Barua: I did not know there were Members in Parliament who were jealous of other Members.

Mr. Speaker: I should only say that if it is a bad practice, why should he follow it? He should co-operate with the Chair.

Shri Sinhasan Singh: I rose on a point of order, and then I spoke.

श्री किशन पटनायक : मेरे शहर सम्बलपुर में लड़ाई काल के दौरान पुलिस ने संख्या-लघु बस्तियों को जा कर एलान किया था कि कोई अगर शहर के बाहर जाना चाहता है तो पुलिस थाने में रिपोर्ट लिखवाये और रात के आठ बजे के बाद रास्ते में न घूमे। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इसके पीछे गृह-मंत्री जी का भी कोई इशारा था अगर नहीं तो इसके बारे में वे क्या करने वाले हैं ?

श्री ल० ना० मिश्र : इंटरनल सिक्योरिटी मैशजं के कुछ तरीके हैं। ऐसा किया गया था कि जो कोई भी पाकिस्तान के लोग यहां रह रहे हैं . . .

श्री किशन पटनायक : पाकिस्तान के नहीं; हिन्दुस्तान के संख्या लघु ।

श्री ल० ना० मिश्र : भारतीय लोगों पर लागू नहीं था । जो पाकिस्तान के लोग थे उन में से कुछ को तो हमने पकड़ा है। जैसे मैंने कहा है कि 54 000 में से करीब तीन चार हजार हमने पकड़े हैं। पाकिस्तानियों पर हमने रेस्ट्रिक्शंज लगाई थी कि 24 घंटे से ज्यादा के लिए अगर वे बाहर जाना चाहते हैं तो स्थानीय पुलिस थाने को सूचना दे दें। इससे ज्यादा अगर कोई रोकथाम किसी राज्य सरकार ने लगाई है तो उसकी कोई खास वजह रही होगी मुझे उसकी सूचना नहीं है ।

Shri H. N. Mukerjee: Apart from our colleague Shri Badrudduja, there are authenticated reports of genuinely nationalist Muslims, including some

members and some office-bearers of the Communist Party, who have been detained without trial. I can understand a man being kept in jail even without trial on the ground of ideology, he can suffer it, but if he is told that he is an anti-national person practising or intending to practise treason and he is not given an opportunity to defend himself in a court of law, it is a cruel practice. May I know if in view of that the Government has directed the State Governments to expedite the examination of these cases and to make proper amends, particularly when Government does not seem to take action when paper after paper reports that a big Indian tycoon has presented Rs. 20 lakhs or more to the Pakistan military fund and that sort of thing goes on. I want to know what special steps are taken by Government.

Shri Nanda: As I said earlier, I had taken the precaution earlier, and also later on I thought it was necessary for me to bring it to the notice of the State Governments, and I have done it both by letter and by telephone. There is going to be a meeting of the Chief Ministers and Home Ministers on the 8th, and I will bring this matter up there also, in order to guard against any such failure of justice or any harassment of any person.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : पीछे गृह-मंत्री जी ने इसी सदन में बताया था कि भारत में हजारों की संख्या में ऐसे पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं जो बिना पारपत्र के यहां चले आए हैं अथवा जिनके पारपत्रों की अवधि समाप्त हो गई है । फिर भी वे भारत में ही रह रहे हैं । ये जो गिरफ्तारियां अब आप ने की हैं क्या इनमें इस प्रकार के पाकिस्तानी भी गिरफ्तार किए गए हैं अथवा उनको भारत से पाकिस्तान भेजने की कोई कार्रवाई भी की गई है ?

श्री ल० ना० मिश्र : बहुत से ऐसे लोग भी पकड़े गए हैं जिनके पास वैलिड डाकुमेन्ट्स नहीं थे । यहां पर रहने वाले भी कुछ पकड़े गए हैं । जहां तक भेजे जाने का प्रश्न है मैं कैसे भेजूं ? हमारे भी तो नागरिक उनके पास हैं । उनको भी हम चाहते हैं कि वे वापिस आने दें ? ऐसी हालत में जबकि हमारे लोग ट्रेवल डाकुमेन्ट्स के साथ पाकिस्तान में पड़े हुए हैं और उनको वे आने नहीं देते हैं तो तो .....

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : हमारे तो बिना पासपोर्ट के नहीं है । वे तो पासपोर्ट ले कर गए हैं ।

श्री ल० ना० मिश्र : बिना पासपोर्ट वालों को भेजने की बात अभी नहीं है । इसमें रेसीप्रोसीटी की बात आती है । हमारे लोगों को जब वे आने देंगे तब हम भी उन लोगों को जाने देंगे ।

श्री काशीराम गुप्त : माननीय मंत्री जी ने बताया है कि करीब तीन हजार पाकिस्तानियों को इन दिनों में गिरफ्तार किया गया था । मैं जानना चाहता हूं कि क्या ये पाकिस्तानी अपने रिश्तेदारों के पास ठहरे हुए थे या अलग से ठहरे हुए थे ? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या इन में से अधिकतर को सीमावर्ती इलाकों में पकड़ा गया है या अन्य क्षेत्रों में भी इनको पकड़ा गया है ?

श्री ल० ना० मिश्र : सीमावर्ती इलाकों में भी पकड़े गए हैं और अन्य क्षेत्रों में से भी पकड़े गए हैं । सीमावर्ती क्षेत्रों से ज्यादा पकड़े गए हैं यह साफ है । वे सम्बन्धियों के साथ भी रहते थे और अलग स्वतन्त्र रूप से भी रहते थे ।

Shri M. R. Krishna: How is the government treating Indian citizens who are indulging in activities against India? What steps are being taken against the son of Sheikh Abdullah on whom a lot of money has been spent and also against Sheikh Abdullah who has done similar work in foreign countries? Have any steps been taken against him.

Shri L. N. Mishra: I am answering about the home front, not on behalf of the foreign ministry.

Shri M. R. Krishna: Is he not an Indian citizen? I would like to know whether he is still and Indian citizen or not?

Mr. Speaker: That is a new question.

Shrimati Savitri Nigam: May I know whether an Indian citizen in Port Blair has been caught with a wireless set which was constantly giving news to Pakistan and if the answer is in the affirmative, what action has been taken against him?

Shri L. N. Mishra: I have no knowledge about it.

श्री प्रिय गुप्त : क्या मैं जान सकता हूं कि प्रो-पाकिस्तानी एक्टिविटीज के लिए, स्मगलिंग के लिए, या इस तरह के दूसरे इल्जामों में मुस्लिम कम्युनिटी के अलावा किसी दूसरी जाति के भी किसी आदमी को पकड़ा गया है, यदि हां, तो कितनों को ?

इस सदन के मेम्बर श्री बदरुद्दुजा के बारे में जो सवाल रखा गया है, उसके बारे में क्या होम मिनिस्टर साहब जांच पड़ताल कर रहे हैं और देख रहे हैं कि उनके खिलाफ़ लाए गए इल्जाम सही हैं या नहीं ? अगर वे सही नहीं हैं तो इसके बारे में उनका क्या फैसला है ?

श्री ल०ना० मिश्र: बदरुद्दुजाजी के विषय में गृह मंत्री जी ने खुद कहा है कि इस केस को स्वयं देखने वाले हैं । मैं एक भ्रम को दूर कर देना चाहता हूं । माननीय सदस्य इस बात पर ज्यादा जोर न दें कि कोई इसलिए पकड़ा गया है कि वह किसी खास जाति का था या किसी खास कौम का था । हर आदमी को अपने काम के लिए पकड़ा गया है, फिर चाहे वह हिन्दू हो, मुस्लिम हो या क्रिश्चियन हो । मुसलमान होने से ही कोई नहीं पकड़ा गया है ।

Shri Priya Gupta: On a point of information. It is not only for smuggling but for pro-Pakistani activities, for propaganda etc. how many non-Muslims have been arrested? Is it in their knowledge?

अध्यक्ष महोदय : कहा तो है कि इतने पकड़े हैं ।

श्री रामसेवक यादव : : जो भारतीय नागरिक पकड़े गए हैं और खास तौर से इस संदर्भ में कि पाकिस्तान के साथ कुछ उनका सम्बन्ध है, मैं जानना चाहता हूं कि उनके खिलाफ किस प्रकार के आरोप थे? बाद में उन में से जो लोग छोड़ गये हैं वे क्यों छोड़े गये हैं, यह भी मैं जानना चाहता हूं ?

श्री ल० ना० मिश्र: मैं बतलाऊं कि हर राज्य सरकार की अपनी एक प्रणाली होती है और वह आदमियों की सूची रखती है । उनकी एक्टिविटीज के मुताबिक उनका क्वालिफिके-शन होता है । मैं यहां पर एक एक आदमी के बारे में तो ब्यौरा नहीं दे सकता, लेकिन अन्तिम सूची के अनुसार जिन लोगों पर शक था और जिन के खिलाफ़ सबूत मिला उन्हीं को पकड़ा गया । और जिन के बारे में यह सोचा गया कि सीज-फायर के बाद उनको छोड़ दिया जाय उन को छोड़ भी दिया गया ।

श्री रामसेवक यादव : कितने लोगों को छोड़ दिया गया है ?

श्री ल० ना० मिश्र : मैं नम्बर तो नहीं दे सकता लेकिन बंगाल सरकार ने करीब साढ़े छ सौ लोगों को छोड़ा है । इस तरह से काफी लोग छूट चुके हैं

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Education Commission

*5. **Shri Vishwa Nath Pandey:**
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Jagdev Singh Siddhanti:
Shri Jashvant Mehta:
Dr. L. M. Singhvi:
Shri R. S. Pandey:
Shri Rajeshwar Patel: